भीषण गर्मी में बिजली संकट से उबल रहे गांव

- दिन- रात अघोषित कटौती के सिलसिले से बढ़ा जनाक्रोश
- भीषण गर्मी में बिजली न मिलने से परेशान कई गांवों के ग्रामीण

नवभारत न्यूज

सीहोर 22 मई. जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों भीषण गर्मी के बीच गहराए बिजली संकट ने लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है. 44 डिग्री से अधिक तापमान और उमस भरी रातों में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीणों का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है. दिन हो या रात, बार-बार बिजली की आवाजाही और घंटों तक सप्लाई बंद रहने से लोग परेशान हैं. कहीं जनप्रतिनिधियों को विद्युत अधिकारियों के साथ बैठक करनी पड़ी तो कहीं ग्रामीणों ने सब स्टेशन का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया.

श्यामपुर क्षेत्र के दोराहा में मंडल अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों ने विद्युत वितरण केंद्र पहुंचकर अधिकारियों के साथ बैठक की. बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार हो रही बिजली कटौती और विद्युत व्यवस्थाओं को लेकर आठ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई. अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि दोराहा तहसील क्षेत्र में लोड शेडिंग बंद करने का प्रयास किया जाएगा तथा अन्य क्षेत्रों में कटौती वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा के बाद ही की जाएगी.

बैठक में यह भी तय हुआ कि मेंटेनेंस कार्य में तेजी लाने के लिए वर्तमान से चार गुना अधिक लेबर लगाई जाएगी, ताकि समय सीमा में कार्य पूर्ण हो सके. किसानों की समस्याओं को लेकर भी चर्चा हुई, जिसमें कहा गया कि जिन किसानों के मशीनी उपकरण साल में केवल एक बार उपयोग में आते हैं, उन्हें ओवरलोड की श्रेणी में न रखा जाए. वहीं ऐसे मामलों को निरस्त करने पर भी सहमति बनी जहां डीपी, खंभे, तार या पंप-कुएं मौजूद ही नहीं हैं. विद्युत कंपनी के अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी कर्मचारी को बिना रसीद राशि न दें. यदि कोई कर्मचारी पैसा लेकर रसीद नहीं देता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएग. स्मार्ट मीटरों से अधिक बिल आने की शिकायतों पर भी जांच कर मीटर बदलने की बात कही गई. जर्जर पोल और झूलते तारों को जल्द बदलने तथा जरूरत के अनुसार कनेक्शन लोड कम करने का आश्वासन भी अधिकारियों ने दिया.

इधर बरखेड़ी विद्युत मंडल सब स्टेशन पर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा. ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए सब स्टेशन का घेराव किया और विद्युत विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. प्रदर्शन में चंदेरी, पिपलिया मीरा, बरखेड़ी, आलमपुरा, बिजलौन, बडनगर, हीरापुर, रामखेड़ी, टिटोड़ा और भैंसाखेड़ी सहित कई गांवों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए. ग्रामीणों का कहना है कि पिछले एक सप्ताह से रात में दो से तीन बार बिजली काटी जा रही है, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं का हाल बेहाल है. उमस और मच्छरों के कारण लोग रातभर जागने को मजबूर हैं. पेयजल संकट भी लगातार गहराता जा रहा है.

गांव ही नहीं नगरीय क्षेत्र भी कटौती से परेशान

बिजली के अभाव में भीषण गर्मी और झुलसा देने वाली धूप का सामना करने वालों में केवल ग्रामीण क्षेत्र ही नहीं नगरीय क्षेत्र के रहवासी भी खासे त्रस्त हैं. शहर में मेंटेनेंस के नाम पर जहां रोजाना घोषित कटौती की जा रही है तो कई घंटों की कटौती अघोषित रूप से भी किए जाने से लोगों में आक्रोश का माहौल बना हुआ है. मंडी, चाणक्यपुरी, भोपाल नाका, इंग्लिशपुरा, इंद्रानगर कालोनी सहित अधिकांश क्षेत्रों में दिन भर बिजली की आवाजाही ने लोगों को परेशान कर रखा है.

जमीन के विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष

इछावर. शुक्रवार को जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प का मामला सामने आया है. विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे और धारदार हथियार चल गए. खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों से कुल 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है. जानकारी के अनुसार पूरा विवाद एक कॉलोनी के पास स्थित 4 डिसमिल जमीन के कब्जे को लेकर है. इस जमीन को लेकर कोर्ट तहसील में मामला चल रहा था.बीते 30 अप्रैल को तहसीलदार ने रवि नामक व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया था. शुक्रवार को इसी जमीन पर कब्जे की बात को लेकर रवि और दूसरी पार्टी के लोग आमने-सामने आ गए. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों ही पक्षों के लोग लाठी, डंडे और चाकुओं से लैस थे.

सोयाबीन की बजाय तुअर दाल में रुचि लेगा जिला

कृषि विभाग अरहर को बनाएगा सोयाबीन का विकल्प

16 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उत्पादन बना जिले में

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 21 मई, का. सोयाबीन का मप्र में सर्वाधिक उत्पादन करने वाले राजगढ़ जिले के किसान पिछले कुछ वर्षो से सहमे हुए है. मौसम की अनिश्चितताओं, प्रकृति की मार, कीटनाशकों का निष्प्रभाव और इल्लियों के नित नय प्रकोपो ने सोयाबीन को रिस्की फसल में डाल दिया है. पिछले तीन-चार वर्षो में सोयाबीन का उत्पादन काफी प्रभावित हुआ है.

पिछले वर्ष तो सोयबीन का औसत से भी कम उत्पादन रहा है. यह बात भी सत्य है कि सोयाबीन कम मेहनतकश किसानों की फसल होकर रह गई है. इसमें जहां प्रकृति के कुप्रभाव से नुकसान की संभावना रहती है वहीं यह कम मेहनत में उत्पादित होने वाली फसल है. इस कारण सामान्य किसान इसे अधिक महत्व देते है.

पिछले वर्षो के अनुभवों ने किसानों को सोंचने पर मजबूर कर दिया है. किसान किस्म के खराब होने, औसत उत्पादन गिरने और बढ़ती लागत के कारण खरीफ की फसल को मुनाफे में नहीं बदल पा रहा है. गत वर्ष अतिवृष्टि से सोयाबीन उत्पादित करने वाले किसानों के हाथ में बीज भी नहीं लगा था. आज किसान सोयाबीन के बीज के लिये प्रयासरत है.

इन तमाम हालातों को देखते हुए कृषि विभाग एवं जिला प्रशासन इस वर्ष प्रोटिन युक्त फसलों में प्रथम अरहर, तुअर दाल को प्राथमिकता देने का आह्वान किसानों से कर रहा है. अरहर को प्रशासन और कृषि विभाग सोयाबीन का मजबूत विकल्प प्रस्तुत करते हुए इसके लिये वातावरण तैयार कर रहा है.किसान स्वयं भी सोयाबीन और मक्का के अलावा किसी तीसरे और टिकाउ विकल्प को तलाश रहे हैं.

हरनाथपुरा बना मॉडल

जिले के हरनाथपुरा गांव में अरहर की फसल का उत्पादन किया गया है. यहां काफी सफल रही है और एक हैक्टेयर में 14 से 16 क्विंटल का उत्पादन भी सामने आया है. पिछले दो सालों ने हरनाथपुरा के किसान अरहर का काफी बेहतर उत्पादन ले रहे है. साथ ही इसके बीज की स्थानीय किस्म भी विकसित हो रही है. कृषि विभाग अब अरहर उत्पादन के हरनाथपुरा मॉडल को पूरे जिले में प्रसारित करने की तैयारी कर रहा है.

गैस और तेल बचाने का संकल्प

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, ऑल प्रगतिशील पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन मध्यप्रदेश से जुड़े पेंशनर एंजॉय ग्रुप के तत्वावधान में लखी मंदिर रोड स्थित हनुमान मंदिर के सामने पेंशनर्स की बैठक आयोजित की गई. कार्यक्रम में गैस बचाओ, तेल बचाओ और देश बचाओ अभियान के तहत ऊर्जा संरक्षण और देशहित में जागरूकता का संदेश दिया गया.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरि सिंह रघुवंशी उपस्थित रहे. वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में रिंकू शर्मा मंडल अध्यक्ष एवं मूलचंद अहिरवार पार्षद मौजूद रहे.

बैठक में उपस्थित लगभग 100 पेंशनर्स ने संकल्प लिया कि वे महीने में एक बार लकड़ी और कंडों से बने भोजन का सेवन करेंगे. साथ ही मोटरसाइकिल और कार जैसे वाहनों का उपयोग भी कम से कम करेंगे, ताकि डीजल और पेट्रोल की बचत हो सके.पेंशनर्स का कहना था कि ईंधन की बचत से देश की विदेशी मुद्रा की भी रक्षा होगी और देश आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बनेगा.

कनिष्ठ अभियंता पर निलंबन की कार्रवाई

नवभारत न्यूज

टीकमगढ। जतारा क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को लेकर बढ़ती शिकायतों के बीच बिजली विभाग के कनिष्ठ अभियंता बालकृष्ण तिवारी को निलंबित कर दिया गया है।

बताया जा रहा है कि क्षेत्र में लगातार बिजली कटौती और उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर स्थानीय लोगों में लंबे समय से नाराजगी बनी हुई थी। मामला उस समय और गर्मा गया जब भाजपा विधायक हरिशंकर खटीक स्वयं बीती रात्रि बिजली स्टेशन पहुंच गए और उन्होनें श्री तिवारी की शिकायत उनके विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से की अधिकारियों ने मामले में मामले में संज्ञान लेते हुए लापरवाह अधिकारी पर निलंबन की कार्यवाही की ।

जानकारी के अनुसार, रात के समय जतारा क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति अचानक बाधित हो गई थी। लगातार बिजली गुल रहने से परेशान लोगों ने इसकी शिकायत भाजपा विधायक हरिशंकर खटीक से की।

जतारा के भाजपा विधायक हरिशंकर खटीक ने विभागीय कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए अवैध वसूली और लापरवाही के आरोप लगाए थे। इसके बाद विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए निलंबन आदेश जारी कर दिया। इस आदेश की प्रतिलिपि मुख्य अभियंता सागर, मुख्य महाप्रबंधक जबलपुर, कार्यपालन अभियंता टीकमगढ़ सहित संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है ।विधायक ने अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग की थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने जांच के बाद कनिष्ठ अभियंता बालकृष्ण तिवारी के निलंबन का आदेश जारी कर दिया। क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

गंगा दशहरा पर जिलेभर में होगा सामूहिक श्रमदान

राजगढ़ 22 मई, का. मध्यप्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के अंतर्गत आगामी 25 मई को गंगा दशहरा के अवसर पर राजगढ़ जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में एक साथ व्यापक जनभागीदारी के साथ श्रमदान, साफ-सफाई एवं दीपदान कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. बैठक में उन्होंने कहा कि जल संरक्षण एवं संवर्धन को जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से जिले के प्रत्येक ग्राम एवं नगरीय क्षेत्र में प्रभावी गतिविधियां आयोजित की जाएं.

संभ्रांत कॉलोनी में गंदगी का अंबार

टैक्स देने के बाद भी नारकीय जीवन जीने को मजबूर

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 22 मई, शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के बड़े-बड़े दावों के बीच गंजबासौदा की एक संभ्रांत कॉलोनी से बदहाली की चिंताजनक तस्वीरें सामने आई हैं. कॉलोनी की मुख्य सड़क पूरी तरह कीचड़, गंदे पानी और मलबे में तब्दील हो चुकी है, जिससे लोगों का आवागमन बेहद मुश्किल हो गया है.

जगह-जगह जलभराव होने से संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है.

> रहवासियों का आरोप है कि वे नगर पालिका को नियमित रूप से भारी-भरकम टैक्स अदा करते हैं, इसके बावजूद उन्हें साफ-सफाई, जल निकासी और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिल पा रही हैं. लोगों में प्रशासन और नगर पालिका के प्रति भारी नाराजगी देखी जा रही है.स्थानीय नागरिकों ने जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन से जल्द से जल्द क्षेत्र का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने, जल निकासी की उचित व्यवस्था करने और स्वास्थ्य संबंधी खतरे को रोकने की मांग की है.

खाद, बिजली की समस्या को लेकर किसानों ने किया चक्काजाम

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। बिजली कटौती और खाद की किल्लत को लेकर शुक्रवार को आक्रोशित किसानों ने ईसागढ़ रोड स्थित तरावली चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। इस चक्काजाम में बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य वाहनों के साथ सड़क पर उतर आए।

इस दौरान अशोकनगर-ईसागढ़ मार्ग सहित आसपास के गांवों को जोड़ने वाले रास्तों पर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया और दोनों ओर करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया। जिसके कारण राहगीर परेशान होते नजर आए। वहीं चक्काजाम की जानकारी जैसे ही प्रशासनिक अधिकारियों को लगी तो वह मौके पर पहुंचे और किसानों को आश्वासन देते हुमए समझाइश दी, जिसके बाद किसान चक्काजाम से हटे और यातायात फिर से सुचारू रूप से चालू हो सका।

दरअसल बिजली, खाद की समस्या को लेकर विरोध कर रहे किसान प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ जब जिले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रभारी मंत्री के प्रस्तावित दौरे की तैयारियां चल रही थीं। किसानों का कहना था कि क्षेत्र में लंबे समय से बिजली और खाद की समस्या बनी हुई है। उन्होंने पहले भी संबंधित विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन देकर समाधान का आश्वासन प्राप्त किया था, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ।

एक नजर में

कृषि रथ को दिखाई हरी झंडी

बुधनी. शाहगंज में जनपद पंचायत अध्यक्ष महेंद्र शर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में खरीफ कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी डीके मेहरा, कृषि विस्तार अधिकारी हरिचरण जोनपुरे आदि उपस्थित थे. खरीफ कृषि रथ विकासखंड की सभी पंचायतों में भ्रमण करेगा. इस दौरान कृषि विशेषज्ञों द्वारा किसानों से सीधा संवाद स्थापित कर खेती से जुड़ी तकनीकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा. कृषि रथ 31 मई तक विकासखंड के विभिन्न ग्रामों एवं पंचायतों में पहुंचकर किसानों को जागरुक करेगा.

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए : सोहेल

विदिशा. ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के जिला अध्यक्ष सोहेल अहमद बबलू ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किए जाने की मांग की है. उन्होंने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति, कृषि और ग्रामीण जीवन की आधारशिला है.
सोहेल अहमद बबलू ने कहा कि गाय केवल आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि मानव जाति और देशहित में भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. गाय से प्राप्त संसाधन कृषि, पर्यावरण और समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होते हैं .उन्होंने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि देश की संस्कृति, परंपरा और मानव कल्याण को ध्यान में रखते हुए गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाना चाहिए .

हाई कोर्ट में लंबित प्रकरणों की हुई गहन समीक्षा

विदिशा, हाई कोर्ट में विदिशा जिले से संबंधित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की अद्यतन स्थिति का जायजा लेने हेतु कलेक्ट्रेट स्थित बेतवा सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया तथा संयुक्त कलेक्टर एवं शाखा प्रभारी सुश्री निकिता तिवारी ने विभागवार प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. बैठक में अधिकारियों से हाई कोर्ट में लंबित प्रकरणों की वर्तमान स्थिति, प्रस्तुत जवाब, पैरावार जानकारी एवं आगामी सुनवाई की तैयारियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई.

वन अधिकार कानून पर ग्राम सभा संपन्न

बैतूल। एकता ग्रामीणजन सहयोग संस्था के तत्वावधान में घोड़ाडोंगरी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत दुधावानी के ग्राम खारागोंदी में वन अधिकार कानून के प्रति जागरूकता और क्रियान्वयन को लेकर एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। संस्था वर्तमान में घोड़ाडोंगरी क्षेत्र के 10 गांवों में वन अधिकार कानून के प्रति जागरूकता और उसके क्रियान्वयन पर कार्य कर रही है। ग्राम सभा के दौरान प्रोजेक्ट मैनेजर एवं कोऑर्डिनेटर द्वारा वन अधिकार अधिनियम 2006 के कानूनी प्रावधानों को अत्यंत सरल भाषा में समझाया गया, जिससे ग्रामीणों ने कानून की बारीकियों को आसानी से समझा और अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। इस अवसर पर श्याम बेलवंशी ने वन अधिकार कानून की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह कानून मुख्य रूप से आदिवासी और पारंपरिक वन निवासियों को उनके जल, जंगल और जमीन के अधिकार दिलाने के उद्देश्य से लागू किया गया है।

जनसुनवाई के आवेदनों पर एक्शन

गुना। जनपद पंचायत बमोरी की ग्राम पंचायत विश्वनगर में ग्रामीणों द्वारा जनसुनवाई में दिए गए आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद बमोरी पुष्पेंद्र व्यास ने आज प्रशासनिक टीम के साथ सीधे मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की बिजली और पेयजल संबंधी समस्याओं को सुना। निरीक्षण के दौरान आदिम जाति विभाग के जिला संयोजक, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और विद्युत विभाग के सहायक यंत्री सहित कई तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने बताया कि राम जानकी मंदिर मोहल्ले के करीब 35 घरों में विद्युत लाइन न होने से लोग बिजली और पानी के लिए परेशान हैं। इस पर बिजली विभाग के सहायक यंत्री ने बताया कि सर्वे से छूटे इस क्षेत्र को जोड़ने का प्रस्ताव भेज दिया गया है।

परीक्षाओं में मिली सफलता

नवभारत न्यूज

सागर 22 मई. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के एमए चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों और शोधार्थियों द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है.

एमए चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थी महेंद्र अहिरवार ने गेट-2026 और शोधार्थी आर्ची जैन एवं गिरिजा शर्मा ने नेट में साथ ही सेट-में घनश्याम अहिरवार, आयुष जायसवाल, पल्लवी लोखंडे, शिवानी चक्रवर्ती, शिवम प्रजापति, साहिल सिंह, अनिकेत चतुर्वेदी ने सफलता हासिल की है. कुलपति प्रोफेसर वाय.एस. ठाकुर ने कार्यालय में बधाइयां दी.

कार्रवाई : तीन थानों की घेराबंदी में तीन तस्कर गिरफ्तार

गुना। जिले में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री, तस्करी और नशे के काले कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए गुना पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के कुशल नेतृत्व और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में मृगवास, मधुसूदनगढ़ और जामनेर पुलिस ने अलग-अलग कार्यवाहियां करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इनके कब्जे से करीब साढ़े चार किलोग्राम गांजा और गांजे के 15 नग हरे पौधे जप्त किए हैं, जिनकी कुल कीमत मोटरसाइकिल सहित लगभग 2 लाख 20 हजार रुपये है। पहली कार्रवाई मृगवास थाना पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर सानई-मृगवास रोड स्थित पीपलखेड़ी तालाब के पास की गई। पुलिस ने घेराबंदी कर अपाचे मोटरसाइकिल पर आ रहे संदिग्ध तेजकरण मीना (21 वर्ष), निवासी कुंभराज को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से 1.233 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मोटरसाइकिल सहित 2 लाख रुपये का मशरूका जप्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। इस कार्रवाई में मृगवास थाना प्रभारी संदीप यादव और सानई चौकी प्रभारी नीरज लोधी सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही। दूसरी कार्रवाई में मधुसूदनगढ़ थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर तोरई रोड से घेराबंदी कर आरोपी गोपाल यादव (48 वर्ष) को पकड़ा, जिसके कब्जे से 1.115 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। वहीं, तीसरी कार्रवाई जामनेर थाना पुलिस ने की, जहाँ मुखबिर की सूचना पर ग्राम केरगढ़ में दबिश देकर आरोपी करण सिंह भील (69 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया।

मौजूदगी | वन विभाग और स्नेक मित्रों के सहयोग से सामने आई बैतूल की सर्प विविधता

बैतूल के जंगलों में सांपों की 5 फैमिली की 19 प्रजातियां मिलीं

बैतूल। सतपुड़ा अंचल की जैव विविधता एक बार फिर चर्चा में है। बैतूल जिले में सांपों की विभिन्न प्रजातियों पर किए गए विस्तृत अध्ययन में जिले में 5 फैमिली और 19 प्रजातियों के सांपों की मौजूदगी दर्ज की गई है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जयवंती हाक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल के पूर्व प्राध्यापक डॉ. सुखदेव डोंगरे ने वन विभाग और स्नेक मित्रों के सहयोग से वर्ष 2024-25 में बैतूल जिले का स्नेक फाना तैयार किया है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि जिले के वन क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी और ग्रामीण इलाकों में भी सांपों की विविध प्रजातियां निवास कर रही हैं। क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय भोपाल, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक - सांप हमारे दुश्मन नहीं- के अनुसार विश्व में लगभग 2700 प्रजातियों के सांप पाए जाते हैं। वर्ष 2005 की रिपोर्ट में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में 6 फैमिली एवं 39 प्रजातियों के सांप दर्ज किए गए थे। वहीं वर्ष 2010 से 2012 के अध्ययन में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और पचमढ़ी बायोस्फीयर रिजर्व क्षेत्र में 6 फैमिली एवं 31 प्रजातियों के सांप पाए गए। अमोल कुमार के वर्ष 2012 के अध्ययन में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व होशंगाबाद में 22 प्रजातियां रिकॉर्ड की गईं, जबकि संदीप फेलोबस ने वर्ष 2014 में पचमढ़ी बायोस्फीयर रिजर्व में 31 प्रजातियों का उल्लेख किया। शैला इशाक के अध्ययन में गांधीसागर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में 6 फैमिली की 22 प्रजातियां दर्ज की गई थीं।

डॉ. सुखदेव डोंगरे ने वन विभाग के रेंजर बरडे, स्नेक मित्र आदिल खान, विशाल विश्वकर्मा और जमाल भाई के सहयोग से बैतूल जिले में यह अध्ययन किया। अध्ययन के दौरान बैतूल, आमला, घोड़ाडोंगरी, आठनेर, भैंसदेही, शाहपुर, पट्टन, चिचोली, भीमपुर और मुलताई सहित जिले के दस विकासखंडों के वन क्षेत्रों, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और मेलघाट क्षेत्र में सांपों की प्रजातियों का सर्वे किया गया।

इन प्रजातियों की हुई पहचान

अध्ययन में बोइडी फैमिली के रेड सेंड बोआ, कॉमन सेंड बोआ और अजगर, कोलूब्रिडी फैमिली के सीता कील बैक, कॉमन कैट स्नेक, ब्रॉन्ज बैक ट्री स्नेक, कॉमन ट्रिंकेट स्नेक, वुल्फ स्नेक, ग्रीन कील बैक, कॉमन कुकरी स्नेक, रसेल कुकरी स्नेक, रेट स्नेक और चेकरड कील बैक दर्ज किए गए। वहीं इलापीडी फैमिली में कॉमन करैत और इंडियन स्पेक्टेकल्ड कोबरा, टाइफ्लोपिडी फैमिली में ब्राह्मणी वर्म स्नेक तथा वाइपरीडी फैमिली में सॉ स्केल्ड वाइपर, बम्बू पिट वाइपर और रसेल्स वाइपर की मौजूदगी रिकॉर्ड की गई।

रविवार को गंजबासौदा पहुंचेंगी सत्य सांई बाबा की चरण पादुकाएं

गंजबासौदा, मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में दर्शन कराने के बाद अब सत्य साई बाबा की पावन चरण पादुकाएं रविवार को भोपाल से गंजबासौदा पहुंचेंगी. चरण पादुकाओं के आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है और स्वागत की व्यापक तैयारियां की गई हैं. समिति के सौरभ सूर्येश ने जानकारी देते हुए बताया कि चरण पादुकाएं रविवार सुबह लगभग 10 बजे भोपाल से गंजबासौदा पहुंचेंगी. उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होंगे.उन्होंने बताया कि रविवार शाम 5 बजे के बाद नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी.